निरी0आ0 सं0 94 /टा0फो0नैनी0/मार्ग/2019–20

कार्यालय भूवैज्ञानिक, भूतत्व एंव खनिकर्म इकाई, जिला टास्क फोर्स, नैनीताल स्थित हल्द्वानी

मा0 मुख्यमंत्री जी की घोषणा संख्या 23/2019 ट्रान्सपोर्टनगर रोड से केशवपुर में बस्ती तक वनभूमि में सड़क निर्माण किये जाने हेतु चयनित 0.0740 है0 वन भूमि की भूगर्भीय निरीक्षण आख्या।

प्रस्तावनाः–

अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण निर्माण विभाग, प्रखण्ड नैनीताल के पत्रांक 52/ग्रा0नि0वि0 /मु0मं0घो0, दिनांक 24.07.2019 के माध्यम से सन्दर्भित उपरोक्त प्रस्तावित स्थल का भूगर्भीय निरीक्षण अधोहस्ताक्षरी द्वारा दिनांक 30.07.2019 को कार्यदायी संस्था के प्रतिनिधि श्री महेन्द्र सिंह, सहायक अभियन्ता एवं श्री नन्द किशोर, अपर सहायक अभियन्ता की उपस्थिति में सम्पन्न किया गया, जिसकी निरीक्षण आख्या निम्नवत् हैः–

स्थितिः–

प्रस्तावित मोटर मार्ग, हल्द्वानी में ट्रान्सपोर्टनगर रोड से केशवपुर में बस्ती तक प्रस्तावित की गयी है। प्रस्तावित मोटर मार्ग का सम्पूर्ण समरेखण वन भूमि से होकर गुजरता है जिसमें वर्तमान में कोई वृक्ष नही हैं। प्रस्तावित मोटर मार्ग के उत्तर–पूर्व तथा दक्षिण–पश्चिम की ओर खुले भूभाग स्थित हैं जिसमें वर्तमान में स्वस्थानिक प्रजाति के वृक्ष तथा झाड़ियां अवस्थित हैं। स्थल के दक्षिण–पूर्व की ओर केशवपुर का आबादी क्षेत्र है। स्थल के उत्तर–पश्चिम की ओर ट्रान्सपोर्टनगर से तीनपानी को जाने वाला मोटर मार्ग स्थित है जिसका समरेखण 20^0–200^0 है। कार्यदायी संस्था के प्रतिनिधि द्वारा अवगत कराया गया कि स्थल पर प्रस्तावित मार्ग की लम्बाई 148 मीटर तथा चौड़ाई 05 मीटर है। निरीक्षण के समय पाया गया कि प्रस्तावित स्थल पर पूर्व में ही एक कच्चा मार्ग निर्मित है उसी स्थान पर पक्का मार्ग बनाया जाना प्रस्तावित है। निरीक्षण के समय स्थल पर उपस्थित कार्यदायी संस्था के प्रतिनिधि द्वारा अवगत कराया गया कि स्थल पर प्रस्तावित मार्ग निर्माण हेतु किसी वृक्ष को काटा जाना प्रस्तावित नही है। प्रस्ताव के साथ उपलब्ध कराये गये अभिलेखों के अनुसार, प्रस्तावित वन भूमि तराई केन्द्रीय वन प्रभाग, रूद्रपुर के हल्द्वानी राजि के टाण्डा वन ब्लाक के अन्तर्गत स्थित है जिसमें 148 मीटर लम्बाई के प्रस्तावित मोटर मार्ग के निर्माण हेतु कुल 0.0740 हेक्टेयर वन भूमि का हस्तान्तरण किया जाना प्रस्तावित है।

आवेदित स्थल भारतीय सर्वेक्षण विभाग की टोपो शीट सं0 **53 O/12** के अन्तर्गत स्थित है। प्रस्तावित मार्ग का उत्तर की ओर स्थित प्रारम्भिक बिन्दू समुद्र तल से लगभग 398 मीटर की ऊंचाई पर तथा निम्न अक्षांश व देशान्तर पर स्थित हैः–

उत्तर	29^0	11′	16.98″	अक्षांस
पूर्व	79^0	30′	48.92″	देशान्तर

प्रस्तावित मार्ग का अंतिम बिन्दू समुद्र तल से लगभग 398 मीटर की ऊंचाई पर तथा निम्न अक्षांश व देशान्तर पर स्थित हैः–

उत्तर	29^0	11′	14.28″	अक्षांस
पूर्व	79^0	30′	52.19″	देशान्तर

भूगर्भीय संरचनाः–

स्थल की सतह पर स्वस्थानिक चट्टानों का पूर्णतया अभाव है। स्थल की सतह पर मोटे कणों वाली भूरे रंग की मृदा का आवरण है जिसमें विभिन्न प्रकार की चट्टानों के कोबेल व पैबल आकार के गोलीय

अधिशासी अभियन्ता
ग्रामीण निर्माण विभाग
प्रखण्ड – नैनीताल

सहायक अभियन्ता
ग्रामीण निर्माण विभाग

टुकड़े मिश्रित अवस्था में विद्यमान हैं। भूगर्भीय संरचना के दृष्टिकोण से यह सम्पूर्ण क्षेत्र हिमालय पर्वत श्रंखला के दक्षिणी भाग में स्थित बाह्य हिमालय के गिरीपाद में स्थित है जो हिमालय पर्वत श्रंखला से निकलने वाली गोला नदी व अन्य नदियों द्वारा कालान्तर में अपने साथ बहाकर लाये गये नदीय अवसादों के स्थल पर निक्षेपित करके कठोर हुये भाग से निर्मित हुआ प्रतीत होता है। प्रस्तावित स्थल गोला नदी के जलोढ़ पंख के मध्य स्थित है। स्थल पर नीचे की ओर कोबेल, पैबल व बोल्डर के अधिक मात्रा में स्थित होने की प्रबल सम्भावना है। प्रस्तावित स्थल के दक्षिण–पूर्व की ओर लगभग 03 किमी0 की दूरी पर गोला नदी स्थित है जिसका समरेखण तथा बहाव उत्तर से दक्षिण की ओर है। स्थल के उत्तर–पश्चिम की ओर लगभग 11 किमी0 की दूरी पर भाखड़ा नदी स्थित है जिसका समरेखण तथा बहाव उत्तर–पूर्व से दक्षिण–पश्चिम की ओर है। स्थल के उत्तर की ओर लगभग 06 किमी0 की दूरी पर पहाड़ी भूभाग स्थित है। स्थल पर ढलानें दृष्टिगोचर नहीं होती हैं तथा स्थल लगभग समतल है जबकि क्षेत्रीय स्तर पर स्थल तथा स्थल के निकटवर्ती क्षेत्र में सामान्य ढलानें क्रमिक हैं जिनकी दिशा दक्षिण–पश्चिम की ओर हैं। स्थल पर एवं स्थल के निकटवर्ती भाग में कोई अधिक ढालदार क्षेत्र तथा कोई प्राकृतिक नाला आदि दृष्टिगोचर नहीं होता है। प्रस्तावित स्थल/क्षेत्र भारतीय सीजमिक मानचित्र मे सक्रिय भूकम्पीय पट्टी IV (हाई डैमेज रिस्क जोन) मे वर्गीकृत किया गया है जहाँ स्थल अधिकांशतः लघु से मध्यम व यदाकदा वृहद तीव्रता के भूकम्पन्नों से प्रभावित हो सकता है। निरीक्षण के समय स्थल के अन्तर्गत किसी प्रकार के दबाव व भूधंसाव की स्थिति दृष्टिगोचर नहीं होती है तथा स्थल वर्तमान में स्थिर प्रतीत होता है।

<u>सुझाव एवं शर्तेः–</u>

प्रथम दृष्टया निरीक्षण के दौरान वर्तमान में ऐसा कोई तथ्य प्रकाश में नही आया जिससे कि मार्ग निर्माण से भूखण्ड को कोई खतरा उत्पन्न हो, तथापि भूगर्भीय संरचना के दृष्टिकोण से मार्ग का निर्माण करते समय निम्नलिखित सुझावों का अनुपालन किया जाना अनिवार्य होगाः–

1. मार्ग के सम्पूर्ण समरेखण में स्थित उबड खाबड भूभाग में समतलीकरण किया जाना होगा स्थल पर मोटर मार्ग के प्रारम्भिक बिन्दू पर उत्तर–पश्चिम की ओर स्थित, स्थल से अधिक ऊचाई वाले भूभाग मे मार्ग निर्माण करते समय सुरक्षात्मक उपाय किये जाने आवश्यक होंगे।
2. मार्ग कटान के दौरान निकलने वाले अपशिष्ट का व्यवस्थित ढंग से निस्तारण किया जाये जिससे कि पर्यावरण को कोई क्षति न पंहुचने पाये।
3. मार्ग निर्माण के दौरान नालियों का निर्माण कर पानी के निकास की उचित व्यवस्था की जानी होगी।
4. स्थल पर यथासम्भव कटान/भरान किये गये भाग में, व्हीपहोल युक्त मजबूत धारक दीवारों का निर्माण किया जाये।
5. स्थल पर मार्ग का निर्माण कार्य, वन भूमि हस्तान्तरण के उपरान्त ही किया जाना होगा।
6. वन संरक्षण अधिनियम 1980 का अनुपालन किया जाना होगा।

अतः उपरोक्त सुझावों के अनुपालन की दशा में ही उपरोक्त स्थल, भूगर्भीय संरचना के दृष्टिकोण से मार्ग निर्माण हेतु उपयुक्त प्रतीत होता है। उचित होगा कि कार्यदायी संस्था यह सुनिश्चित किया जाये कि प्रस्तावित स्थल पर मार्ग के निर्माण करते समय उपरोक्त सुझावों एवं शर्तो का पूर्णतया अनुपालन किया जाये। यदि कार्यदायी संस्था द्वारा उपरोक्त सुझावों का अनुपालन नहीं किया जाता है तो यह अनापत्ति प्रमाण पत्र स्वतः ही निरस्त समझा जायेगा एवं उक्त के फलस्वरूप उत्पन्न होने वाली भूगर्भीय दृष्टिकोण से विपरीत परिस्थितियों के लिये कार्यदायी संस्था स्वयं उत्तरदायी होगी।

अधिशासी अभियन्ता
ग्रामीण निर्माण विभाग
खण्ड - नैनीताल

सहायक अभियन्ता
ग्रामीण निर्माण विभाग
उपखण्ड–हल्द्वानी

(लेख राज)
उपनिदेशक/भूवैज्ञानिक